

# स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा



स्वतंत्र प्रभात दैनिक अखबार तथा  
ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के  
लिए संपर्क करें  
9511151254

**f** @swatantraprabhatmedia **t** @swatantramedia **o** 9511151254

e paper.swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव सीतापुर, हरदोई, शाहजहाँपुर, उन्नाव, हमीरपुर, बाराबंकी, अयोध्या, सुल्तानपुर, अम्बेडकरनगर,

गोला व हैदराबाद थाना क्षेत्रों ने अवैध रूप से हो रहा मिट्टी का खनन....06

लखनऊ, सोमवार, 09 दिसंबर 2024

वर्ष 06, अंक 73, पृष्ठ 12, मूल्य: 03 रुपया

www.swatantraprabhat.com

@SwatantraPrabhatonline

news@swatantraprabhat.com

प्रयागराज, कौशाम्बी, बांदा, महोबा, मिर्जापुर, भद्रेही, झारखण्ड, दिल्ली, बिहार, उत्तराखण्ड आदि जनपदों में प्रसारित  
एल यज्य नंती ने किया बढ़नी ऐलवे स्टेशन पर नवनिर्मित कोरिंग डिपो का लोकार्पण....12

## गुजरात की अदालत ने हिरासत में यातना मामले में पूर्व आईपीएस अधिकारी संजीव भट्ट को बरी किया।

स्वतंत्र प्रभात

गुजरात के पोरबंदर की एक अदालत ने 1997 के हिरासत में यातना मामले में पूर्व आईपीएस अधिकारी संजीव भट्ट को बरी कर दिया कि अभियोजन पक्ष "उचित सदेह से परे मामले को साबित नहीं कर सकता"। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मुकेश पंडिया ने शनिवार (7 दिसंबर, 2024) को पोरबंदर के तत्कालीन पुलिस अधीक्षक (एसपी) भट्ट को उनके खिलाफ आईपीसी की धारा औं के तहत दर्ज मामले में संबंधी के अधार में सदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया।

अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष "उचित सदेह से परे मामले को साबित नहीं कर सकता" कि शिकायतकर्ता को खतरनाक हथियारों औं धमकीयों का उत्तरोग करके उसें चेंचा से दर्द पहुंचाकर अपराध स्थीकार करने और आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर किया गया था।

भट्ट को इससे पहले जानमनगर में 1990 में हिरासत में हुई भौतिक मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी और 1996 में पालनपुर में राजस्थान के एक बकील को फंसाने के लिए इस्प रखने के मामले में 20 साल की जल की सजा सुनाई गई थी। वह फिलहाल राजकोट सेंट्रल जेल में बंद है।

अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष



उस समय एक लोक सेवक था और अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहा था, के अनुसार, पोरबंदर पुलिस की एक टीम 5 जुलाई 1997 को जादव को अहमदाबाद के साबरमती सेंट्रल जेल से ट्रांसफर वारंट पर पोरबंदर स्थित भट्ट के आवास पर ले गई थी। जादव को उनके शरीर के विभिन्न हिस्सों, यहां तक कि उनके निजी अंगों पर भी बिजली के झटके दिए गए।

शिकायतकर्ता ने बाद में न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत को यातना के बारे में बताया, जिसके बाद जांच 6 के आदेश दिए गए। साक्षों के आधार पर अदालत ने 31 दिसंबर 1998 को मामला दर्ज किया और भट्ट और चौं को भी बिजली के विरोध में बाहर रखा था। भट्ट ने, तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के रूप में, 30 अक्टूबर 1990 को जामजोधपुर शहर में हुए सांप्रदायिक दोगे के बाद लगाए 150 लोगों को हिरासत में लिया था। वह दंगा अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए भाजाओं नेता रामकृष्ण अडवाणी की "रथ यात्रा" को रोकने के विरोध में बलाप गए "बंद" के बाद हुआ था। हिरासत में लिए गए व्यक्तियों में से एक प्रभुदास वैष्णवी की रिहाई के बाद अस्पताल में मृत्यु हो गई।

भट्ट उस समय सुर्खियों में आई थे जब उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में हलकाना दाखिल कर 2002 के गुरुत्व दोगे में तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका का आरोप लगाया था। एक विशेष जांच दल ने इन आरोपों को खारिज कर दिया। उन्हें 2011 में सेवा से संबंधित कर दिया गया था और अगस्त 2015 में गृह मंत्रालय ने "अनुदिक्षित अनुसूचिति" के कारण उन्हें बहार और गुजरात के पूर्व पुलिस महानिदेशक

आरबी श्रीकुमार के साथ 2002 के गुरुत्व दोगों से संबंधित साक्ष्य गढ़ने के एक मामले में भी आरोपी हैं। भट्ट, जिन्हें गुजरात सरकार ने अनाधिकृत अनुपस्थिति के कारण पुलिस सेवा से हटा दिया था, ने गुजरात उच्च न्यायालय के 9 जनवरी, 2024 के आदेश को चुनौती देते हुए सर्वोच्च न्यायालय का स्वयं किया, जिसमें उनकी अपील खारिज कर दी गई थी।

उच्च न्यायालय ने 20 जून, 2019 को जामनगर में सत्र अदालत द्वारा हत्या के लिए आईपीसी की धाराओं 302 (हत्या), 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना) और 506 (आपाराधिक धमकी) के तहत भट्ट और सह-आरोपी प्रवीनसिंह हिस्सों, यहां तक कि उनके निजी अंगों पर भी बिजली के झटके दिए गए।

शिकायतकर्ता ने बाद में न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत को यातना के बारे में बताया, जिसके बाद जांच 6 के आदेश दिए गए। साक्षों के आधार पर अदालत ने 31 दिसंबर 1998 को मामला दर्ज किया और भट्ट और चौं को भी बिजली के विरोध में बाहर रखा था। भट्ट ने, तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के रूप में, 30 अक्टूबर 1990 को जामजोधपुर शहर में हुए सांप्रदायिक दोगे के बाद लगाए 150 लोगों को हिरासत में लिया था। वह दंगा अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए भाजाओं नेता रामकृष्ण अडवाणी की "रथ यात्रा" को रोकने के विरोध में बलाप गए "बंद" के बाद हुआ था। हिरासत में लिए गए व्यक्तियों में से एक प्रभुदास वैष्णवी की रिहाई के बाद अस्पताल में मृत्यु हो गई।

भट्ट उस समय सुर्खियों में आई थे जब उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में बाहर आला जारी किया था और धमकीयों को खतरनाक हथियारों औं धमकीयों का उत्तरोग करके उसे स्वेच्छा से दर्द पहुंचाकर आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर किया था। भट्ट और चौं को समाज जारी किया और भट्ट और चौं को भी बिजली के विरोध में बाहर रखा था। भट्ट ने, तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के रूप में, 30 अक्टूबर 1990 को जामजोधपुर शहर में हुए सांप्रदायिक दोगे के बाद लगाए 150 लोगों को हिरासत में लिया था। वह दंगा अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए भाजाओं नेता रामकृष्ण अडवाणी की "रथ यात्रा" को रोकने के विरोध में बलाप गए "बंद" के बाद हुआ था। हिरासत में लिए गए व्यक्तियों में से एक प्रभुदास वैष्णवी की रिहाई के बाद अस्पताल में मृत्यु हो गई।

भट्ट उस समय सुर्खियों में आई थे जब उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में बाहर आला जारी किया था और धमकीयों को खतरनाक हथियारों औं धमकीयों का उत्तरोग करके उसे स्वेच्छा से दर्द पहुंचाकर आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर किया था। भट्ट और चौं को भी बिजली के विरोध में बाहर रखा था। भट्ट ने, तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के रूप में, 30 अक्टूबर 1990 को जामजोधपुर शहर में हुए सांप्रदायिक दोगे के बाद लगाए 150 लोगों को हिरासत में लिया था। वह दंगा अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए भाजाओं नेता रामकृष्ण अडवाणी की "रथ यात्रा" को रोकने के विरोध में बलाप गए "बंद" के बाद हुआ था। हिरासत में लिए गए व्यक्तियों में से एक प्रभुदास वैष्णवी की रिहाई के बाद अस्पताल में मृत्यु हो गई।

भट्ट उस समय सुर्खियों में आई थे जब उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में बाहर आला जारी किया था और धमकीयों को खतरनाक हथियारों औं धमकीयों का उत्तरोग करके उसे स्वेच्छा से दर्द पहुंचाकर आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर किया था। भट्ट और चौं को भी बिजली के विरोध में बाहर रखा था। भट्ट ने, तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के रूप में, 30 अक्टूबर 1990 को जामजोधपुर शहर में हुए सांप्रदायिक दोगे के बाद लगाए 150 लोगों को हिरासत में लिया था। वह दंगा अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए भाजाओं नेता रामकृष्ण अडवाणी की "रथ यात्रा" को रोकने के विरोध में बलाप गए "बंद" के बाद हुआ था। हिरासत में लिए गए व्यक्तियों में से एक प्रभुदास वैष्णवी की रिहाई के बाद अस्पताल में मृत्यु हो गई।

भट्ट उस समय सुर्खियों में आई थे जब उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में बाहर आला जारी किया था और धमकीयों को खतरनाक हथियारों औं धमकीयों का उत्तरोग करके उसे स्वेच्छा से दर्द पहुंचाकर आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर किया था। भट्ट और चौं को भी बिजली के विरोध में बाहर रखा था। भट्ट ने, तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के रूप में, 30 अक्टूबर 1990 को जामजोधपुर शहर में हुए सांप्रदायिक दोगे के बाद लगाए 150 लोगों को हिरासत में लिया था। वह दंगा अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए भाजाओं नेता रामकृष्ण अडवाणी की "रथ यात्रा" को रोकने के विरोध में बलाप गए "बंद" के बाद हुआ था। हिरासत में लिए गए व्यक्तियों में से एक प्रभुदास वैष्णवी की रिहाई के बाद अस्पताल में मृत्यु हो गई।

भट्ट उस समय सुर्खियों में आई थे जब उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में बाहर आला जारी किया था और धमकीयों को खतरनाक हथियारों औं धमकीयों का उत्तरोग करके उसे स्वेच्छा से दर्द पहुंचाकर आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर किया था। भट्ट और चौं को भी बिजली के विरोध में बाहर रखा था। भट्ट ने, तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के रूप में, 30 अक्टूबर 1990 को जामजोधपुर शहर में हुए सांप्रदाय











## संक्षिप्त खबरें

राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रतिमा कुशवाहा 12 दिसंबर को जनपद में कर्णेगी जन सुनवाई



भदोही 08 दिसंबर 2024- राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रतिमा कुशवाहा अगामी 12 दिसंबर 2024 को अपने जनपद ध्रुमांशु के दौरान जनपद की महिलाओं से जुड़ी समस्याओं को राजकीय अतिथि गृह ज्ञानपुर में पूर्वाइंग 11 बजे से सुनेगी। इस दौरान महिला उत्पीड़न से सम्बन्धित मामले वथा-हेच उत्पीड़न, घेरू हिंसा, छेड़छाड़, यौन उत्पीड़न, कन्या ध्रुण गर्भपाता, बाल विवाह, एसिड अटैक आदि से सम्बन्धित आपातों की सुनवाई करते हुए महिलाओं को त्वरित व्याय दिलाने के दृष्टिकोण से जनपद में आयोगी जन सुनवाई की जाएगी। राज्य महिला आयोग कार्यालय से जारी पत्र में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस अधीक्षक अथवा उनकी ओर से नामित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, महिला शानाध्यक्ष के अलावा अन्य सम्बन्धित अधिकारी की उपस्थिति में महिला उत्पीड़न की घटनाओं की समीक्षा की जाएगी।







## सांकेतिक खबरें

गोरखपुर-फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नौकरी करने वाले शिक्षक गिरफतार



गोरखपुर- गोरखपुर के गगहा थाना बेटों में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक फर्जी शिक्षक को गिरफतार किया है। गिरफतार आरोपी की पहचान भासक दिलेंद्री, निवासी बेलवा बाबू, बेलवा थाना चौरी चौरा, जनपद गोरखपुर के रूप में हुआ है। पुलिस के अनुसार, आरोपी भासक दिलेंद्री की दस्तावेजों के आधार पर एक शिक्षक के पद पर कार्रवार था। उसे 7 दिसंबर, 2024 को दोपहर 04:05 बजे एनएच 24 कोडीराम मोड़ के पास से गिरफतार किया गया। आरोपी के खिलाफ थोकाधड़ी, दस्तावेजों में हेसफेरी और अन्य संविधान धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में गगहा थानांश्चक गैरव कुमार वर्मा, चौकी प्रभारी गणपति अवनीष कुमार सिंह और अन्य पुलिस अधिकारी शामिल थे।

एसडीएम ने मुसहर बस्ती में बच्चों को पिलाया पोलियो ड्रॉप



रुद्रपुर, देवरिया। पोलियो उम्मीदवार अधियान में एसडीएम श्रृंखला शर्मा ने एकला मिशनाया के मुसहर बस्ती में जाकर पोलियो अनुसार भासती की शुरूआत के बाकी चर्चों को दो बूट चिन्हिणी की पिलायी। ब्लाक क्षेत्र के 99 बूथों पर अधियान चलता रहा। इस दौरान कछु परिवर्तनों ने अज्ञानता के कारण पोलियो ड्रॉप पीने से मान कर दिया। एसडीएम श्रृंखला शर्मा ने उन्हें जागरूक किया और कहा कि पोलियो ड्रॉप नुकसान नहीं करता बल्कि बच्चों को अपाहिज होने से बचता है। यह अधियान विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निशुल्क चलता रहा है। इस दौरान अधीक्षक डॉ एस के राव, बी एच डब्ल्यू, विकास कुमार, सुशील पांडे, जय प्रकाश यादव, डब्ल्यू एच ओ अनिल गिरि, बी एम सी अमित मिश्र-मुकुल, एनएम अंबिका शुक्ला, आशा सुमन और गुड़िया मौजूद रहे।

एमडीएम में मिला कीड़ा बच्चे हुए नास्युश



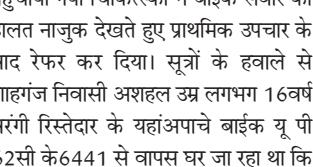
धर्मापुर-जौनपुर। क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय मणिकरन में शनिवार की दोपहर मध्याह्न भोजन में कीड़ा निकलने से बच्चों में हड्डीपन मच गई। बच्चों ने इसकी शिकायत जब प्रधानाध्यापक से की तो उन्होंने स्टोरोंयों को जमकर फटकार लगाई। इस बाबत खण्ड क्षिणी अधिकारी राजेश कुमार वैश्य ने बताया कि मामले को संज्ञान में लेकर छोड़ दिया।

बाइक और साइकिल की टक्कर में तीन घायल हुए



तेज रफतार बनी दुर्घटना का कारण खेतासारय (जौनपुर)। स्थानीय थाना छोरे के मण्डे (यूपीयूपी) बाजार में बाइक की टक्कर से दो बीच्चिया घायल हो गई। वहीं बाइक की ग्रामीण क्षेत्रों में जन आरोग्य संसिद्धि को अधिकारी बहन शिवानी 13वर्षीय स्तरीय लोगों की मदद से निजी चिकित्सकों ने बाइक सवार की हालत नाजुक देखे हुए प्राथमिक उच्चार के बाद रेफर कर दिया। सूत्रों के हावाले से शाहांग निवासी अशवाल उपर लगभग 16वर्षीय बर्गी रिसेटर के बहाने अपाचे बाइक यू.पी. 62सी.के 6441 से वापस घर जा रहा था कि उत्तर बाजार में मण्डे गांव निवासी आसू यादव 16वर्ष पुरी कलिका प्रसाद यादव अपनी छोटी बहन शिवानी 13वर्षीय के साथ उत्तर बाजार में कुर्कुत को से जा रही थी कि बाइक सवार पीछे से टक्कर कर मारत हुए खुद भी गिर गया और उत्तर बाजार की बच्चियों को भी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

दूर्घटना/हादसा



तेज रफतार बनी दुर्घटना का कारण खेतासारय (जौनपुर)। स्थानीय थाना छोरे के मण्डे (यूपीयूपी) बाजार में बाइक की टक्कर से दो बीच्चिया घायल हो गई। वहीं बाइक की ग्रामीण क्षेत्रों में जन आरोग्य संसिद्धि को अधिकारी बहन शिवानी 13वर्षीय स्तरीय लोगों की मदद से निजी चिकित्सकों ने बाइक सवार की हालत नाजुक देखे हुए प्राथमिक उच्चार के बाद रेफर कर दिया। सूत्रों के हावाले से शाहांग निवासी अशवाल उपर लगभग 16वर्षीय बर्गी रिसेटर के बहाने अपाचे बाइक यू.पी. 62सी.के 6441 से वापस घर जा रहा था कि उत्तर बाजार में मण्डे गांव निवासी आसू यादव 16वर्ष पुरी कलिका प्रसाद यादव अपनी छोटी बहन शिवानी 13वर्षीय के साथ उत्तर बाजार में कुर्कुत को से जा रही थी कि बाइक सवार पीछे से टक्कर कर मारत हुए खुद भी गिर गया और उत्तर बाजार की बच्चियों को भी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

## गोरखपुर- भीषण सड़क हादसे में पत्नी की मौत, पति गंभीर, दो बेटियां और एक बेटा मां के निधन से अनजान

स्वतंत्र प्रभात

खजनी- गोरखपुर जनपद के खजनी तहसील बेटे हरनही के मूल निवासी गवी प्रताप सिंह और उनकी पत्नी खुशबू सिंह लखनऊ में हुए एक भीषण सड़क हादसे का शिकायत हो गए। यह हादसा रविवार तड़के लखनऊ-अयोध्या मार्ग पर हुआ जब उनकी स्कार्पियो (P23 CB 0023) एक अज्ञात वाहन से टक्कर गई। यह हादसे में खुशबू सिंह की मौत पर ही मौत हो गई, जबकि रविवार प्रातः सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गांव में पसरा सन्नाटा

हादसे में खुशबू सिंह की मौत पर ही मौत हो गई, जबकि रविवार प्रातः सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बेटा अश्वत सिंह गांव में अपने दादा-दादी के साथ रहते हैं। अपील बच्चों को उनकी मां के निधन की खबर नहीं दी गई है। परिवार के सदस्य बच्चों के साथ मजबूती रखियों की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उनके आसू खुश पानी मुश्किल हो रहा है।

यह खबर बच्चों में महत्वपूर्ण है?

एक परिवार की जायसी की दशाती है। एक पत्नी और मां मां की मौत से एक परिवार तबाह हो गया है। साथ ही, यह खबर सड़क सुरक्षा के अस्पताल पहुंचाया। खुशबू सिंह का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

यह खबर बच्चों में महत्वपूर्ण है?

एक परिवार की जायसी की दशाती है। एक पत्नी और मां मां की मौत से एक परिवार तबाह हो गया है। साथ ही, यह खबर सड़क सुरक्षा के अस्पताल पहुंचाया। खुशबू सिंह का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

यह खबर बच्चों में महत्वपूर्ण है?

एक परिवार की जायसी की दशाती है। एक पत्नी और मां मां की मौत से एक परिवार तबाह हो गया है। साथ ही, यह खबर सड़क सुरक्षा के अस्पताल पहुंचाया। खुशबू सिंह का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

यह खबर बच्चों में महत्वपूर्ण है?

एक परिवार की जायसी की दशाती है। एक पत्नी और मां मां की मौत से एक परिवार तबाह हो गया है। साथ ही, यह खबर सड़क सुरक्षा के अस्पताल पहुंचाया। खुशबू सिंह का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

यह खबर बच्चों में महत्वपूर्ण है?

एक परिवार की जायसी की दशाती है। एक पत्नी और मां मां की मौत से एक परिवार तबाह हो गया है। साथ ही, यह खबर सड़क सुरक्षा के अस्पताल पहुंचाया। खुशबू सिंह का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

यह खबर बच्चों में महत्वपूर्ण है?

एक परिवार की जायसी की दशाती है। एक पत्नी और मां मां की मौत से एक परिवार तबाह हो गया है। साथ ही, यह खबर सड़क सुरक्षा के अस्पताल पहुंचाया। खुशबू सिंह का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

यह खबर बच्चों में महत्वपूर्ण है?

एक परिवार की जायसी की दशाती है। एक पत्नी और मां मां की मौत से एक परिवार तबाह हो गया है। साथ ही, यह खबर सड़क सुरक्षा के अस्पताल पहुंचाया। खुशबू सिंह का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

यह खबर बच्चों में महत्वपूर्ण है?

एक परिवार की जायसी की दशाती है। एक पत्नी और मां मां की मौत से एक परिवार तबाह हो गया है। साथ ही, यह खबर सड़क सुरक्षा के अस्पताल पहुंचाया। खुशबू सिंह का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

यह खबर बच्चों में महत्वपूर्ण है?

एक परिवार की जायसी की दशाती है। एक पत्नी और मां मां की मौत से एक परिवार तबाह हो गया है। साथ ही, यह खबर सड़क सुरक्षा के अस्पताल पहुंचाया। खुशबू सिंह का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

यह खबर बच्चों में महत्वपूर्ण है?

एक परिवार की जायसी की दशाती है। एक पत्नी और मां मां की मौत से एक परिवार तबाह हो गया है। साथ ही, यह खबर सड़क सुरक्षा के अस्पताल पहुंचाया। खुशबू सिंह का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

यह खबर बच्चों में महत्वपूर्ण है?

एक परिवार की जायसी की दशाती है। एक पत्नी और मां मां की मौत से एक परिवार तबाह हो गया है। साथ ही, यह खबर सड़क सुरक्षा के अस्पताल पहुंचाया। खुशबू सिंह का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

य

